

हल्की बारिश-बूँदाबांदी के आसार, एक-दो स्थानों पर छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना

मौसम का मिजाज बदला: बादल छाए, तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज►►नारनौल

मानसून की विदाई के बाद एक बार फिर हरियाणा एनसीआर-दिल्ली के मौसम में बदलाव के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के 27 सितंबर की रात से 28 सितंबर के दौरान क्षेत्र में हल्की बारिश और बूँदाबांदी की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इस दौरान एक-दो स्थानों पर छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मौसम में बदलाव के साथ तेज गति की हवाएं चलने और तापमान में गिरावट की भी संभावना है।
बता दें कि बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव क्षेत्र पहले डिप्रेशन में तब्दील हुआ और उत्तर प्रदेश की ओर पहुंचने के बाद कुछ कमजोर पड़ा है। इसके प्रभाव से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात भी बने हुए हैं। इस मौसम प्रणाली का प्रभाव हरियाणा के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में भी देखने को मिला है। हरियाणा के उत्तरी-पूर्वी जिलों में हल्की बारिश और बूँदाबांदी दर्ज की गई।
वहीं दोपहर बाद महेंद्रगढ़ जिले के दक्षिणी हिस्से, विशेषकर नांगल चौधरी और आसपास के क्षेत्रों में भी हल्की बारिश हुई। बादलों की आवाजाही के कारण दिन और रात के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज होने की संभावना है और कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है।

बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर सावधानी जरूरी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी हरियाणा में गर्ज-चमक के साथ बिजली गिरने और छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए आमजन सावधानी बरते। खुले खेत-खलिहानों और सड़कों पर सफर करते समय पेड़ों तथा टीनशेड से दूर रहें। उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के दौरान भूस्खलन और लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए पर्यटकों को इस अवधि में पहाड़ी क्षेत्रों की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

खबर संक्षेप

आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

कनीना। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के भोजावास स्थित 33 केवी पावर ग्रिड सब-स्टेशन में सोमवार सितंबर को मरम्मत कार्य के चलते तीन घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। डीएचबीवीएन कार्यालय के एसडीओ उमेश वर्मा ने बताया कि मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा। जिसके चलते सुबह आठ से 11 बजे तक तीन घंटे बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। सब-स्टेशन से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडरों की आपूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी।

सर्व समाज की बैठक 2 अक्टूबर को

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से आगामी दो अक्टूबर को प्रातः 11 बजे गौड़ ब्राह्मण सभा प्राणग मोहल्ला चौधरियान में सर्व समाज की आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मेहता ने ने बताया कि बैठक में तीन महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। राकेश मेहता ने सर्व समाज के सभी वर्गों से बैठक में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने विचार रखें और उचित मार्गदर्शन एवं सुझाव दें, ताकि आगे की रणनीति पर विचार किया जा सके।

निजी स्कूल संचालक बोले...तुगलकी फरमान के विरोध में हम लामबंद

प्रदेशभर में जनजागरण आंदोलन की चेतावनी

हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक में सरकार के फैसले पर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज►►नारनौल

हरियाणा सरकार की ओर से निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर जारी किए गए आदेश के विरोध में हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक रविवार को एक होटल में हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान पवन सिंह तंवर ने की। इसमें निजी स्कूल संचालकों ने सरकार के फैसले पर विरोध जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।
जिला प्रधान पवन सिंह तंवर ने कहा कि सरकार ने हाल ही में बिना सोचे-विचारे एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत हरियाणा में चल रहे निजी विद्यालयों को अपनी मान्यता का पुनः रिव्यू करवाना होगा, ताकि सभी स्कूलों को आरटीई एक्ट 2001 के तहत लाकर उन पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि इस आदेश के पीछे एक बड़ी साजिश नजर आ रही है और इससे निजी विद्यालयों की व्यवस्था प्रभावित होगी।
उन्होंने कहा कि निजी विद्यालय अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर लाखों विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के साथ-साथ हजारों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। इसके बावजूद लगातार ऐसे नियम लगाए जा रहे हैं, जिससे निजी विद्यालयों के संचालन में कठिनाइयां बढ़ रही हैं।
बैठक में बोर्ड एफिलिएशन फीस पर जीएसटी लगाने, 134ए व आरटीई के तहत

ये रहे मौजूद

बैठक में पवन सिंह तंवर, जगदेव यादव, ओमप्रकाश, बिरेंद्र सिंह, नरेंद्र यादव कनीना, सुरेंद्र कुमार वर्मा नारनौल, विजय शर्मा, हेमंत कुमार, कर्णसिंह, विक्रम सिंह नांगल चौधरी, प्रमोद शास्त्री, गजेंद्र यादव, जयसिंह, वीडी सर, सतन सिंह महेन्द्रगढ़, विजयपाल रोहिल्ला, सुबोधकान्त, सुरेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव, ईश्वर सिंह अटेली सहित अन्य पदाधिकारी व स्कूल संचालक उपस्थित रहे।

नियमों के कारण निजी विद्यालयों की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है, जिसका सीधा प्रभाव शिक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जिससे आम परिवारों के बच्चों को अपने घर के आसपास अच्छी शिक्षा मिलने में परेशानी हो। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि वे सरकार के इस फैसले का विरोध करते हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि सरकार ने इस फैसले को वापस नहीं लिया तो हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन प्रदेशभर में जन-जागरण आंदोलन चलाने के लिए मजबूर होगी। इस विषय को शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी लाया जाएगा।

कनीना। वर्ष 2020 के बाद खण्ड स्तरीय निजी विद्यालय संचालकों की लंबे अंतराल के बाद महत्वपूर्ण बैठक आरआरसीएम स्कूल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करण सिंह यादव ने की। इसमें क्षेत्र के विभिन्न निजी विद्यालयों के संचालकों ने भाग लिया और स्कूलों के सामने आ रही समस्याओं, प्रशासनिक चुनौतियों तथा विभिन्न विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में समस्याओं के समाधान के लिए आपसी समन्वय मजबूत करने और हर माह बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, अग्नि सुरक्षा, भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र के लिए अनापति प्रमाणपत्र, सरकार की ओर से विद्यालयों के 10 वर्षीय नवीनीकरण की प्रक्रिया, स्कूल बसों पर लगने वाले कर व विद्यालय परिसर में खड़ी बसों के चालान सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं पर मंथन किया गया। विद्यालय संचालकों ने इन प्रक्रियाओं के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को साक्षा किया। छुट्टियों से जुड़े मुद्दे पर भी चर्चा हुई। कुछ संचालकों ने दूसरे शहरोंवर सहित अन्य अवकाशों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करने का सुझाव दिया।

नई कार्यकारिणी के गठन पर भी मंथन

रोशनलाल यादव ने बताया कि बैठक में संगठन के दावे और नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे करण सिंह यादव ने बताया कि वर्ष 2016 में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया था। संगठन में प्रत्येक तीन वर्ष में अध्यक्ष का चुनाव करने का प्रावधान रहा है। करण सिंह यादव ने अगली बैठक 17 अक्टूबर को सबासुख मेमोरियल स्कूल कनीना में आयोजित करने की घोषणा की।

यह रहे मौजूद

मौके पर रोशनलाल, पूर्व प्रधान अजमेर सिंह दांगी, हरेश भारद्वाज, करण सिंह, सतपाल तंवर, सुभाष लोढ़ा, विजयपाल चेरमेन, अधिवक्ता विजय यादव, यूरो स्कूल प्राचार्य सुनील, मुनेश्वर दयाल, सुशीराम, संतराम, महेन्द्र भारद्वाज, दिनेश यादव और पंकर तंवर आदि उपस्थित रहे।

वारदात के लिए वाहन लेकर पहुंचे चोर

खानपुर में दर्जनभर किसानों के ट्र्यूबवेल से केबल चोरी के ट्र्यूबवेल से केबल चोरी

■ जहां ट्र्यूबवेल मिला, वहीं से केबल तोड़कर ले गए, एक माह पहले भी हुई थी कई किसानों के यहां वारदात

हरिभूमि न्यूज►►नारनौल

गांव खानपुर में शनिवार व रविवार की रात चोरों ने दर्जनभर किसानों के ट्र्यूबवेल को निशाना बनाते हुए केबल चोरी कर ली। किसानों के अनुसार चोरों की संख्या अधिक थी और वे चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए वाहन लेकर आए थे। रात के समय खेतों में ट्र्यूबवेलों की केबल को चोर गाड़ी से बांधकर खींचते हैं तथा ट्रटने पर चोर केबलों को अपने साथ ले गए। रविवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो ट्र्यूबवेलों से केबल गायब मिली, जिसके बाद चोरी की वारदात का पता चला। वारदात वाले स्थानों पर वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं। इससे किसानों का कहना है कि चोर केबल चोरी करने के बाद उसे वाहन में डालकर ले गए। चोरी की गई केबलों की कीमत लाखों रुपये में बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार जिन किसानों के ट्र्यूबवेलों से केबल चोरी हुई है, उनमें नरेंद्र पुत्र चेताराम, सुरेश पुत्र उमराव सिंह,

नारनौल। केबल तोड़ने उपरांत ट्रटा पड़ा मोटर बॉक्स।

फोटो: हरिभूमि

पुलिस से कार्रवाई की मांग

किसानों ने पुलिस से मांग की है कि खेतों में हुई केबल चोरी की घटनाओं की गंभीरता से जांच की जाए और केबल चोरों के विरोध का पता लगाकर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही पहले हुई चोरी की वारदात का भी सुराग लगाया जाए, ताकि खेतों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक लग सके।

होशियार सिंह, राजेंद्र पुत्र रामनिवास, राजेंद्र पटवारी, राजकुमार पुत्र छबिला, दिनेश पुत्र रामसिंह, जसवंत फौजी, नितिन पुत्र प्रेमचंद, गजराज तथा रामप्रताप पुत्र श्रीराम आदि किसान शामिल हैं।

एक माह पहले भी कई किसानों के यहां हुई थी चोरी

किसानों ने बताया कि नरेंद्र पुत्र चेताराम सहित कुछ किसानों के ट्र्यूबवेलों से करीब एक माह पहले भी केबल चोरी की गई थी। उस वारदात का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। अब दोबारा उन्हीं क्षेत्र के ट्र्यूबवेलों सहित अन्य किसानों के यहां केबल चोरी होने से किसानों में नाराजगी है। किसानों का कहना है कि लगातार हो रही केबल चोरी के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और सिंचाई का काम भी प्रभावित होता है।

पहले भी खनन माफिया पंचायत की करीब चार एकड़ भूमि पर कर चुका सैकड़ों फीट गहराई तक अवैध खनन

दोखेरा में बिना अनुमति खनन की तैयारी से आक्रोशित ग्रामीणों की पंचायत, डीसी को प्रस्ताव भेजकर कार्रवाई की लगाई गुहार

पौधों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण प्रदूषित होने के आसार

हरिभूमि न्यूज►►नांगल चौधरी

दोखेरा में बिना विभागीय अनुमति खनन गतिविधियां शुरू हो गईं। जिससे चिंतत ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया, बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह पंचायत का आयोजन करके एसडीएम और उपायुक्त को शिकायत भेजी है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर मिलीभगत होने तथा भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के आरोप लगाए हैं।
हनुमान नंबरदार, लालचंद, प्रकाश, पप्पू कुमार, रामसिंह, सुनिल कुमार, शीशराम व जयराम ने बताया कि पहाड़ की तलहटी पर

बसे गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। समाधान के लिए जिला प्रशासन से पहाड़ के नीचे बांध निर्माण करने की गुहार लगाई थी, ताकि बारिश का पानी स्टॉक होने से भूजल रिचार्ज हो सके, लेकिन ग्रामीणों की आवश्यक मांग बीते कई सालों से रद्दी टोकरी में पड़ी हुई है।
इसी दौरान पहाड़ पर खनन माफिया सक्रिय हो गया। पांच-सात साल पहले एक माईस कंपनी ने प्रशासनिक मिलीभगति करके कई साल तक अवैध कारीबार किया है। पंचायत के लगभग चार एकड़ रकबे पर सैकड़ों फिट गहराई तक पत्थर निकाल लिया गया। जिससे प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाकर माईस होल्डर के खिलाफ कार्रवाई तथा पंचायत के नुकसान की भरपाई करने की मांग की गई थी।
सालभर संघर्ष के उपरांत अवैध खनन को बंद कराने में सफलता मिली थी, लेकिन

राजकीय आईटीआई में जॉब मेला कल

महेन्द्रगढ़। राजकीय आईटीआई में मंगलवार को प्रातः 9:30 बजे जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। इस जॉब मेले में बिस्मो बेकरी अमेरिकन एम्पलसी मिवाडी, होंडा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर इंडिया लिमिटेड मानेसर, एसीवाईएसएम ऑटोमोटिव प्रा. लिमिटेड आनंद गुप मिवाडी, ईजी टास्क ग्लोबल प्रा. लिमिटेड गुरुग्राम आदि एनसीआर की विभिन्न कंपनियां भाग ले रही हैं। आईटीआई प्रधानाचार्य-सह-सहायक शिक्षता सलाहकार विनोद खनगवाल ने सभी ट्रेड के पास शुद्ध कैडिडेट्स एवं संबंधित ट्रेड अनुदेशक को अपनी ट्रेड के पास शुद्ध कैडिडेट्स को सूचित करते हुए राजकीय आईटीआई मंगलवार को प्रातः 9:30 बजे जॉब मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए आह्वान किया है।

दौड़ लगा रहे फायरब्रिगेड कर्मियों को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज►►कनीना

अटेली रोड पर भोजावास-सुंदरह सड़क मार्ग पर रविवार सुबह दौड़ पर निकले फायर ब्रिगेड कर्मों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान भोजावास निवासी संजय के रूप में हुई है, जो नारनौल फायर ब्रिगेड में कार्यरत था। मृतक के चचेरे भाई आकाश ने पुलिस को बताया कि 27 सितंबर की सुबह करीब सवा पांच बजे वह तथा संजय सुंदरह रोड पर अपनी साइड में दौड़ लगा रहे थे। इसी दौरान सुंदरह की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने संजय को टक्कर

मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक चालक भी गिर गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम विकास निवासी खेड़ा बताया। आकाश ने पत्रिजनों को सूचना देकर निजी वाहन से संजय को तुरंत उध नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसारधान अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि ने हादसे के आरोपित बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मृतक का पंचनामा करवा शव जिरणों को सौंप दिया।

जानलेवा हादसे और गंभीर बीमारियों का बढ़ा खतरा

ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ पर खनन होने से भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी और पत्थर गिरने अथवा मशीनों से दुर्घटना का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं ड्रिलिंग, खुदाई और वाहनों से उड़ने वाली धूल आसपास के आबादी क्षेत्र तक पहुंचेगी। लगातार धूल के संपर्क में रहने से आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी तथा सांस संबंधी समस्याएं बढ़ने का खतरा बढ़ गया है।

ब्लारिस्टिंग की अनुमति नहीं मिली, खनन करने की अनुमति नहीं

खनन अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि माईस को प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड व अन्य विभागों से एनओसी मिल गई। लेकिन अभी तक ब्लारिस्टिंग की एनओसी पेंडिंग है जिसके बिना पहाड़ पर खनन नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि प्राप्त एनओसी पर संचालक मशीनों व अन्य संसाधनों का प्रबंध कर सकता है।

निकालने के लिए मिट्टी का उठान आरंभ कर दिया। खनन में रुकावट बनने वाले छोटे पौधों को धड़ल्ले से नष्ट कर दिया। जिसकी सूचना पर ग्रामीणों ने माईस संचालक से संपर्क किया तथा उसे अवैध कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा,

लेकिन उन्होंने ग्रामीणों को चुप कराते हुए पुलिस कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया है। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह मुनादी कराई तथा पंचायत आयोजित की। खनन के दुष्परिणामों पर विचार-विमर्श करके जिला उपायुक्त को शिकायत भेजी गई है।

राजकीय आईटीआई में जॉब मेला कल

महेन्द्रगढ़। राजकीय आईटीआई में मंगलवार को प्रातः 9:30 बजे जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। इस जॉब मेले में बिस्मो बेकरी अमेरिकन एम्पलसी मिवाडी, होंडा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर इंडिया लिमिटेड मानेसर, एसीवाईएसएम ऑटोमोटिव प्रा. लिमिटेड आनंद गुप मिवाडी, ईजी टास्क ग्लोबल प्रा. लिमिटेड गुरुग्राम आदि एनसीआर की विभिन्न कंपनियां भाग ले रही हैं। आईटीआई प्रधानाचार्य-सह-सहायक शिक्षता सलाहकार विनोद खनगवाल ने सभी ट्रेड के पास शुद्ध कैडिडेट्स एवं संबंधित ट्रेड अनुदेशक को अपनी ट्रेड के पास शुद्ध कैडिडेट्स को सूचित करते हुए राजकीय आईटीआई मंगलवार को प्रातः 9:30 बजे जॉब मेले में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए आह्वान किया है।

दौड़ लगा रहे फायरब्रिगेड कर्मियों को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज►►कनीना

अटेली रोड पर भोजावास-सुंदरह सड़क मार्ग पर रविवार सुबह दौड़ पर निकले फायर ब्रिगेड कर्मों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान भोजावास निवासी संजय के रूप में हुई है, जो नारनौल फायर ब्रिगेड में कार्यरत था। मृतक के चचेरे भाई आकाश ने पुलिस को बताया कि 27 सितंबर की सुबह करीब सवा पांच बजे वह तथा संजय सुंदरह रोड पर अपनी साइड में दौड़ लगा रहे थे। इसी दौरान सुंदरह की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने संजय को टक्कर

मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक चालक भी गिर गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम विकास निवासी खेड़ा बताया। आकाश ने पत्रिजनों को सूचना देकर निजी वाहन से संजय को तुरंत उध नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसारधान अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि ने हादसे के आरोपित बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मृतक का पंचनामा करवा शव जिरणों को सौंप दिया।

जानलेवा हादसे और गंभीर बीमारियों का बढ़ा खतरा

ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ पर खनन होने से भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी और पत्थर गिरने अथवा मशीनों से दुर्घटना का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं ड्रिलिंग, खुदाई और वाहनों से उड़ने वाली धूल आसपास के आबादी क्षेत्र तक पहुंचेगी। लगातार धूल के संपर्क में रहने से आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी तथा सांस संबंधी समस्याएं बढ़ने का खतरा बढ़ गया है।

ब्लारिस्टिंग की अनुमति नहीं मिली, खनन करने की अनुमति नहीं

खनन अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि माईस को प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड व अन्य विभागों से एनओसी मिल गई। लेकिन अभी तक ब्लारिस्टिंग की एनओसी पेंडिंग है जिसके बिना पहाड़ पर खनन नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि प्राप्त एनओसी पर संचालक मशीनों व अन्य संसाधनों का प्रबंध कर सकता है।

निकालने के लिए मिट्टी का उठान आरंभ कर दिया। खनन में रुकावट बनने वाले छोटे पौधों को धड़ल्ले से नष्ट कर दिया। जिसकी सूचना पर ग्रामीणों ने माईस संचालक से संपर्क किया तथा उसे अवैध कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करने को कहा,

लेकिन उन्होंने ग्रामीणों को चुप कराते हुए पुलिस कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया है। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह मुनादी कराई तथा पंचायत आयोजित की। खनन के दुष्परिणामों पर विचार-विमर्श करके जिला उपायुक्त को शिकायत भेजी गई है।

हरियाणावी लोक-संस्कृति में कनागत का दार्शनिक स्वरूप

‘श्राद्ध’ संस्कृतनिष्ठ शब्द है, किंतु गांव के सामान्य जीवन में ‘कनागत’ अधिक आत्मीय और परिचित शब्द बन गया। वस्तुतः 'कनागत' शब्द मूलतः संस्कृत के ‘कन्यागत’ से अपभ्रंश होकर बना है। ज्योतिष और पंचांग के अनुसार, आश्विन कृष्ण पक्ष में सूर्य कन्या राशि में गोचर करता है।



संस्कृति
आंचल शर्मा



सामूहिक स्मृति के प्रतीक हैं। पितरों को याद करना अपने अतीत को स्वीकार करना है और यह स्वीकार करना भी है कि वर्तमान पीढ़ी अकेली नहीं है; उसके पीछे कई पीढ़ियों के श्रम, अनुभव और संस्कार जुड़े हुए हैं। हरियाणा की भौगोलिक और सांस्कृतिक संरचना को देखें तो सरस्वती से संबंधित तीर्थों का इस परंपरा में विशेष स्थान है। इममें कुरुक्षेत्र जनपद का पिहोवा, प्राचीन पृथुदक, सबसे महत्वपूर्ण पितृतीर्थों में गिना जाता है। पृथुदक का महत्त्व केवल किसी आधुनिक धार्मिक परंपरा का परिणाम नहीं है। यह प्राचीन काल से ही कुरुक्षेत्र क्षेत्र के महत्वपूर्ण तीर्थों में रहा है। पुराणों, महाभारत और बाद के साहित्य में इसके उल्लेख मिलते हैं। पिहोवा के प्राचीन नाम पृथुदक की व्युत्पत्ति राजा पृथु से जोड़ी गई है और यह परंपरा बताती है कि पृथु ने अपने पिता के निधन के बाद सरस्वती के तट पर श्राद्ध किया तथा वहां जल अर्पित किया। इसी परंपरा से पृथुदक नाम की व्याख्या की जाती है। पिहोवा के सरस्वती तीर्थ में आज भी श्राद्ध और पिंडदान की परंपरा जीवित है। चैत्र कृष्ण चतुर्दशी से संबंधित यहां का मेला भी पुरानी तीर्थ परंपरा से जुड़ा हुआ माना जाता है। पिहोवा से संबंधित एक और महत्वपूर्ण पक्ष उसका प्राचीन अभिलेख है। हरियाणा का दूसरा महत्वपूर्ण पितृ

तीर्थ पांडु-पिंडारा है, जो जींद क्षेत्र में स्थित है। इसके नाम में ही पिंडदान की स्मृति सुरक्षित है। मान्यता है कि युद्ध के बाद पांडवों ने यहां मृत योद्धाओं के लिए पिंडदान किया था। यहां सोमवती अमावस्या को पितृकर्म का विशेष महत्व माना गया है। कैथल जनपद के फरल गांव में स्थित फल्गु तीर्थ का पितृपक्ष और पितृ-कर्म से अत्यंत गहरा और प्राचीन संबंध है। वामन पुराण के अनुसार, यह पवित्र स्थल कुरुक्षेत्र भूमि के सात प्राचीन वनों में से एक 'फलकीवन' का हिस्सा रहा है। मान्यता है कि महर्षि फल्क ने इसी तपोभूमि पर कठोर साधना की थी, जिसके परिणामस्वरूप इस तीर्थ और गांव का नाम क्रमशः फल्गु और फरल पड़ा। महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में इस तीर्थ का विस्तृत वर्णन उपलब्ध है। यहां 17वीं शताब्दी की मुगलकालीन शैली में निर्मित शिव मंदिर, नागर शैली का राधा-कृष्ण मंदिर, एक विशाल सरोवर और एक अति-प्राचीन वटवृक्ष आज भी मौजूद हैं। इस पावन तीर्थ के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति द्वारा 'फल्गु लोककला महोत्सव' का भी आयोजन किया जाता है। ‘श्राद्ध’ संस्कृतनिष्ठ शब्द है, किंतु गांव के सामान्य

पांडु-पिंडारा तीर्थ

हरियाणा के जींद जिले में स्थित पांडु-पिंडारा तीर्थ पितरों के पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध के लिए देश के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। इसे 'हरियाणा का गया' भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों ने युद्ध में मारे गए अपने परिजनों और पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहां पिंडदान किया था। यह विश्वास किया जाता है कि यहीं पिंडदान करने से पूर्वजों और पितरों की आत्मा को सीधे मोक्ष और सद्गति प्राप्त होती है।

श्राद्ध के पीछे जो मूल भाव है, वह है जिससे पाया, उसे याद रखना; जिसने जीवन दिया, उसके प्रति कृतज्ञ होना और आने वाली पीढ़ी को यह बताना कि परिवार की कहानी वर्तमान पीढ़ी से शुरु नहीं होती।

का प्रतीक बन जाता है। पिंड अर्पित करने वाला व्यक्ति अपने पूर्वज के प्रति यह स्वीकार करता है कि उसके वर्तमान जीवन में उस पूर्वज का योगदान है। तर्पण में जल अर्पित करना भी इसी भाव का विस्तार है। जल जीवन का मूल तत्व है और भारतीय परंपरा में जल के माध्यम से स्मरण, शांति और तुष्टि की कामना की जाती है। हरियाणा जैसे कृषि-प्रधान समाज में अन्न और पितृस्मृति का संबंध और अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। जिस भूमि पर पूर्वजों ने खेती की, जिस कृएं या तालाब से उन्होंने जल लिया, जिस घर की नींव उन्होंने रखी, उसी जीवन-परंपरा को आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी श्राद्ध में अन्न और जल अर्पित करती है। इस दृष्टि से पितृपक्ष प्रकृति, कृषि, परिवार और स्मृति को जोड़ने वाला सांस्कृतिक अवसर भी है। हरियाणवी लोकगीतों में प्रत्यक्ष रूप से 'पिंडदान' शब्द अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है, जबकि 'पितर', 'कनागत', 'श्राद्ध', 'तेरहवीं' जैसे शब्द लोकव्यवहार और लोकस्मृति में अधिक सहज हैं। हरियाणवी शब्दकोशीय परंपरा में 'तेरहवीं' का संबंध मृत्यु के तेरहवें दिन के कर्म से तथा पिंडदान से बताया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि पिंडदान का विचार लोकजीवन में केवल पितृपक्ष तक सीमित नहीं था; मृत्यु के बाद होने वाले संस्कारों में भी उसका अपना स्थान था। जहां धर्मग्रंथ 'श्राद्ध' की विधि बताते हैं, वहीं लोकगीत 'पितर' को याद करते हैं; जहां पुराण तीर्थ-माहात्म्य का वर्णन करते

हैं, वहां लोकगीत 'कनागत' के आने की सूचना देते हैं; जहां तीर्थ पर पिंडदान का कर्म होता है, वहां लोकगीत परिवार और पूर्वज के बीच भावनात्मक संबंध को स्वर देते हैं। हरियाणा के पितृतीर्थों और लोकगीतों के बीच यही सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सेतु है। पिहोवा में सरस्वती के तट पर किया गया श्राद्ध हो, पांडु-पिंडारा की पौराणिक स्मृति हो अथवा फल्गु तीर्थ में पितृकर्म, इन सभी के पीछे एक ही मूल चेतना दिखाई देती है: पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता। तीर्थ इस कृतज्ञता को पवित्र स्थान देता है और लोकगीत उसे जनभाषा देते हैं। वर्तमान में शहरीकरण, संयुक्त परिवारों के विघटन और जीवनशैली में परिवर्तन के कारण अनेक लोकरीतियां धीरे-धीरे सीमित होती जा रही हैं। फिर भी 'कनागत' शब्द आज भी हरियाणा की बोलचाल में जीवित है और पितृपक्ष के अवसर पर तीर्थों की ओर जाने की परंपरा भी समाप्त नहीं हुई है। पिहोवा और फल्गु जैसे तीर्थों में आज भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति यह बताती है कि पितृ-स्मृति केवल अतीत की वस्तु नहीं बनी है।

इस पूरी परंपरा को केवल कर्मकांड मानकर देखना हरियाणा के लोकजीवन के एक बड़े सांस्कृतिक पक्ष को अनेदेखा करना होगा। श्राद्ध के पीछे जो मूल भाव है, वह है जिससे पाया, उसे याद रखना; जिसने जीवन दिया, उसके प्रति कृतज्ञ होना और आने वाली पीढ़ी को यह बताना कि परिवार की कहानी वर्तमान पीढ़ी से शुरू नहीं होती। पितृपक्ष इसीलिए स्मृति का पर्व है। यह मृतकों का ही नहीं, जीवितों के आत्मबोध का भी समय है। हरियाणा में पितृपक्ष को समझने के लिए केवल श्राद्ध-विधि या पिंडदान की धार्मिक प्रक्रिया का अध्ययन पर्याप्त नहीं है। पिहोवा से लेकर पांडु-पिंडारा और फल्गु तीर्थ तक फैली तीर्थपरंपरा, 'कनागत' जैसे लोकशब्द, सांझी के गीतों में 'पितरों' का स्मरण, मृत्यु-संस्कारों में पिंडदान और परिवार में 'दादा-पितर' के प्रति सम्मान, इन सभी को एक साथ रखकर देखने पर हरियाणा की पितृ-संस्कृति का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। यह संस्कृति मृत्यु को अंत मानने के बजाय वंश परंपरा की निरंतरता के रूप में देखती है। पितृपक्ष इसी निरंतरता का वार्षिक स्मरण है, जिसके आत्मीय स्वर हरियाणवी लोकगीतों में सुनाई पड़ते हैं।

कविता

नरेन्द्र कुमार

नशे की लत

ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या।
तंग आकर बाँबी मागी, टूटी शादी जुड़ती कोन्या॥

एक-एक कर पैक पिलाते, वही देरस्त दुक्कार देते।
इसने दारू पी रखी है, गली बीच ललकार देते॥

या राह शमशान जाती, मोड़ै से मुड़ती कोन्या॥
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या॥

पहला पैक फ़्री में मिलता, फिर वे घर तक खाते बेव।
पड़ोसी से झगड़ा करते, तीन-चार लग जाते केसा॥

दो - तीन तारीख तक तो, कोर्ट भी सुनती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या॥

चोरी करते, जारी करते, झूठ बोलना इनका पेशा।
खाते - पीते कुछ है नहीं, शरीर बना तिनके जैसा॥

चालते को चक्कर आते, देही में फुर्ती कोन्या॥
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या॥

कमी किडनी,कमी लीवर, रोज चट्टे इनके फीवर।
बदबू ऐसी आती है , ज्यों दक्कन खिसके सीवर॥

भला क्या करे दुसरो का, जिनको खुद सुर्ती कोन्या॥
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या॥

आपे डूबै, कुनबा डूबै , बाँबी दिया रे संसार।
इस नशे को तुम खत्म कर , अब खूब करो ये प्रचार॥

नशा ना होता तो शायद न छुज्जात लुटती कोन्या।
ऐसी नशे की लत लागी, छौडै से छुड़ती कोन्या॥

धरोहर

समय बदलने के साथ आज स्टील और दूसरे आधुनिक बर्तनों ने ले ली मिट्टी के बर्तनों की जगह

ख़ाद्य परंपरा का हिस्सा कहलाती थी मिट्टी की कढ़ावणी

करीबन दो दशक पहले तक गांव में कढ़ावणी मिल जाया करती थी। थोड़ा और पीछे जाएं तो वह समय याद आता है जब गांव के लगभग हर घर में गाय-भैंस हुआ करती थीं। दूध, दही, लस्सी, ची और अलुणा को यानी मक्खन घर की रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा थे। इनके प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रायः मां और दादी के हिस्से में होती थी। रसोई से लेकर पशुओं और दूध-दही की पूरी व्यवस्था तक, उनका अनुभव ही सबसे बड़ा विज्ञान था।

मिट्टी से बने जिस मटकेनुमा बर्तन को आप चित्र में देख रहे हैं, उसे कढ़ावणी कहते थे। मेरी उम्र के गांव वाले मित्र इसे जरूर पहचानेंगे। इसका मुंह और पेट दोनों चौड़े होते थे। कुम्हार अपनी कारीगरी से इसे सुंदर आकार देता था। कढ़ावणी केवल दूध रखने का बर्तन नहीं थी, बल्कि गांव की एक पूरी खाद्य परंपरा का हिस्सा थी। सुबह दूध बांटने के बाद बचा हुआ दूध कढ़ावणी में डाल दिया जाता। घर के आंगन के किसी कोने में थोड़ी जमीन खोदकर मिट्टी के लेप से हारा बनाया जाता। उसमें उपलों

के टुकड़े गोलाकार रखकर हल्की आग सुलगा दी जाती और उनके ऊपर कढ़ावणी रख दी जाती। उपले दिनभर धीरे-धीरे सुलगते रहते और दूध धीमी आंच पर पकता रहता। बीच-बीच में मां या दादी आकर देख लेतीं कि दूध उफनकर बाहर तो नहीं आ रहा। कढ़ावणी का ढक्कन भी कम दिलचस्प नहीं था। मिट्टी से बने इस ढक्कन को झावला कहा जाता था। उसमें बने छोटे-छोटे छेद भाप को बाहर निकलने का रास्ता देते थे। जब हारे में उपले अंगारे बनने लगते और दूध में तेज उबाल आता, तो यही छेद उफान को नियंत्रित करते और दूध बाहर निकलने से बच जाता। आग ज्यादा तेज हो जाए तो दादी झावला उतार देतीं और कुछ देर वहीं बैठकर दूध की रखवाली करतीं। बिना किसी आधुनिक उपकरण के, अनुभव से बनी यह व्यवस्था अपने आप में एक देसी विज्ञान थी। धीमी आंच पर दिनभर पकते-पकते शाम तक दूध गेरुआ रंग लेने लगता। ऊपर तिरमिरे वाली मलाई जमती, जिसकी अपनी ही मिठास थी। शाम को पूरा दूध बिलोवणे में पलोह दिया जाता। कढ़ावणी के पेट पर ऊपर-नीचे चिपकी मलाई को छिप्टी और खुरचण से उतारकर बिलोवणे में डाल दिया जाता। फिर दूध में जाम्मण देकर उसे पीढ़े पर रखकर बांध दिया जाता। रस्सी से बांधना जरूरी था, क्योंकि रात में बिल्ली या कुत्ता दही बनने से पहले ही उसमें मुंह मार जाए तो सुबह घर में हंगामा तय था। ऐसी स्थिति में मां या दादी की भटक पूरे दिन शांत नहीं होती थी। आज के हिसाब से कहें तो वह उनका देसी 'ब्लाइ प्रेशर' था और किसी न किसी बच्चे की कुटाई की संभावना बनी रहती थी। दही जमाने में मौसम का भी ध्यान रखा जाता। सर्दियों में बिलोवणे को गर्म काड़े से ढक

दिया जाता ताकि दही ठीक से जम सके। सुबह तक वही दूध दही बन जाता। उससे लस्सी तैयार होती, मक्खन निकलता और घर में ललवासी लस्सी की ठंडक फैल जाती। यह सिर्फ भोजन बनाने की प्रक्रिया नहीं थी; इसमें पशुपालन, मिट्टी के बर्तन, ईंधन, परिवार और घरेलू श्रम, सब एक-दूसरे से जुड़े थे। फिर समय बदला। पशु पालने वाले कम होते गए। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवारों में बदल गए। बड़े आंगन छोटे हो गए और हारे-उपलों की जगह गैस के चूल्हों ने ले ली। कुम्हार के मिट्टी के बर्तनों की जगह स्टील और दूसरे आधुनिक बर्तनों ने ले ली। कढ़ावणी भी धीरे-धीरे घरों से गायब हो गई। उसकी जगह उसी आकार के चमचमाते सिल्वर के देगचे ने ले ली। आधुनिक जीवन ने सुविधा जरूर बढ़ाई, लेकिन उसके साथ

उस स्वाद और अनुभव का एक हिस्सा भी चला गया। आज दूध कुछ मिमनों में गर्म हो जाता है, दही जल्दी जम जाती है और लस्सी मिक्सर में तैयार हो जाती है। हमारा उपलों की धीमी आंच पर दिनभर पकते दूध की वह खुशबू, कढ़ावणी की मिट्टी का स्पर्श और शाम को जमती तिरमिरे वाली मलाई अब कहाँ मिलती है? कढ़ावणी की याद दरअसल एक बर्तन की याद भर नहीं है। वह उस जीवन की स्मृति है जिसमें आंगन में पशु बंधते थे, कोने में हारा सुलगता था, बच्चे मलाई पर नजर रखते थे और मां-दादी की आवाजों से घर भरा रहता था।

कम साधनों के बावजूद उस जीवन में आत्मनिर्भरता और अपनापन खूब था। आज शायद ही किसी घर में कढ़ावणी बची हो और आज के बच्चे इससे परिचित हों। हां, कढ़ावणी तो चली गई, लेकिन एक विडंबना यह है कि उसकी जगह घर-घर में कड़वाहट जरूर दिखाई देने लगी है। इस चित्र को देखकर शायद गांव से जुड़े बहुत से लोगों को अपना बचपन याद आ रहा होगा—मां, दादी, आंगन, हारा, उपले, गेरुआ दूध, मलाई, बिलोवणे, दही, मक्खन और ललवासी लस्सी। साथ में दादी की वह डांट भी, जो उस समय भले ही भारी लगती थी, लेकिन आज वही बचपन की मीठी स्मृतियों का हिस्सा है। समय बहुत कुछ बदल देता है। बर्तन बदल जाते हैं, चूल्हे बदल जाते हैं, घर बदल जाते हैं, लेकिन उनसे जुड़ी स्मृतियां नहीं बदलतीं। कढ़ावणी भी ऐसी ही स्मृति है—मिट्टी, गांव और उस जीवन की, जिसमें स्वाद केवल खाने में नहीं, रीतों और साथ में भी हुआ करता था। कढ़ावणी म्हारी सिर्फ रसोई की चीज नहीं थी, म्हारी मिट्टी, म्हारा स्वाद और म्हारी धरोहर थी।

राज़ल

कर्म चन्द केसर

इसे कसुते मौके आए कई दफा

इसे कसुते मौके आए कई दफा।
काम बिगड़ये बणे-बणाए कई दफा।

जिनकी खातर उमर गाळदे से माणस,
वै बी होज्योँ करै पराए कई दफा।

आच्छी हरकत देख-देखके माणस की,
पशु - पखरे बा शरमाए कई दफा।

खाकै रुक्खी-सुक्खी पाणी पी सोये,
हमनै कोन्या लोग सँदाए कई दफा।

गम की गठडी धरदयो बेसक पेट्टी में,
आप्पे खुलजै ताळे लाए कई दफा।

जिनते मुँह के बोले नहीं थे सदियौं ते,
झोल्ली देके मैनै बुलाए कई दफा।

आप्पे कुआँ खोद जो पाणी पी लें थे,
वै बाँ देखखे मैनै तिसाए कई दफा।

काम करया ना बिन रिखत उस बाबू नैं,
दफतर के थे चक्कर लाए कई दफा।

जीण-मरण के दाइये ला लें सैं केसर,
बैरी बणजै माँ के जाए कई दफा।

haribhoomisahitya@gmail.com पर
आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

आशा हड्डा

आशा हड्डा (सुप्रसिद्ध बॉलीवुड एक्टर रणदीप हड्डा की मां) ने हरियाणावी लोककला पर आधारित फिल्म 'सांगी' से अभिनय की दुनिया में अपना कदम रखा है। उनकी यह पहली सिनेमाई पात्री वर्षों पुराने अभिनय के शौक और एक नए सपने के साकार होने की कहानी है। अपनी पहली ही फिल्म में लाजवाब अभिनय के लिए इस वर्ष हाइफ़ा कला साधना अवॉर्ड और फिल्म के लिए फाउंडर चॉइस बेस्ट फिल्म अवॉर्ड हासिल करने वाली आशा हड्डा का जन्म झज्जर जिले के छारा गांव में हुआ। उन्होंने रोहतक के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमन से बीए किया, बाद में पॉलिटेक्निक साइंस और बीएड की पढ़ाई पूरी की तथा मॉडल स्कूल, रोहतक में शिक्षिका के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके पति राजन हैं।

'सांगी' की लोककला उन्हें इसलिए भी प्रभावित करती है कि यह गांवों में मनोरंजन का सहज और सरला माध्यम रही है, जिसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आती है और वे अपनी लोक संस्कृति से भी जुड़ते हैं। इस फिल्म में उन्हें नानू का किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि वह सच्ची दोस्ती की मिसाल प्रस्तुत करता है। वे कहती हैं कि यदि आगे भी ऐसा कोई मां या धाकड़ दादी का किरदार आया तो वह जरूर करेंगी। उभ के इस पदाव पर अभिनय शुरू करने के बारे में वे बताती हैं कि उनकी आरम्भ से ही अभिनय का शौक रहा है। स्वयं उनके शब्दों में - 'कॉलेज में मेरा एक जुनून था नाटकों में भाग लेना। सांगी फिल्म से मेरा यह सपना साकार हुआ। हालांकि आशा की यह पहली फिल्म थी लेकिन उन्हें कैमरा, संवाद, अभिनय या पूरे फिल्मी माहौल के साथ तालमेल और सेट तक पहुंचने के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ा। 'सांगी' को बेस्ट फिल्म फाउंडर चॉइस अवॉर्ड मिलना आशा हड्डा के लिए नई कलाकार के रूप में बेहद सम्मान और खुशी का क्षण रहा, जिसे उन्होंने लोगों के साथ साझा किया और खूब बधाइयां मिलीं। इस सम्मान ने उन्हें अपने मीतर छिपे अभिनय के जज्जे का एहसास करया और मन में यह विचार भी आया कि काश उन्होंने इस हुनर को 20 साल पहले ही पहचानकर इसका इस्तेमाल किया होता। हाइफ़ा फिल्म फेस्टिवल के बारे में उन्होंने बताया कि ऐसे

फेस्टिवल क्षेत्रीय सिनेमा और नए कलाकारों को वह मंच देते हैं, जो उन्हें मुख्यधारा के सिनेमा में आखानी से नहीं मिलता। हरियाणा में एक से एक टैलेंट भरा पड़ा है। ये कलाकार अपनी मेहनत के बल पर अपने हरियाणा में भी नाम कमा सकते हैं और बॉलीवुड में भी जा सकते हैं। एक मंच की कमी रहती है, हाइफ़ा उनको ये मंच देता है। आशा बताती हैं कि जब उनके बेटे रणदीप हड्डा को पता चला कि उनकी मां 'सांगी' में अभिनय कर रही हैं, तो वे बेहद खुश हुए। कमी उन्होंने मजाक में रणदीप से कहा था कि उन्हें मां का रोल जरूर देना, जिस पर वह हंस पड़े थे, लेकिन अब उन्होंने गंभीरता से कहा कि यदि कोई भूमिका उन्हें सूट करेगी तो वह उन्हें जरूर मौका देंगे। अपनी मां

की परफॉर्मेंस देखकर रणदीप ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और आगे भी काम करने का भरोसा दिलाया। रणदीप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब मां के रोल का समय था, तब उन्हें समय नहीं मिला और सीधे दादी का किरदार कर लिया। आशा हड्डा बताती हैं कि उन्हें बेटे की यह प्रतिक्रिया बहुत अच्छी लगी, खासकर इसलिए रणदीप ने फिल्म देखी और उन्हें उनका किरदार पूरी फिल्म में बेहद पसंद आया। आशा हड्डा ने बताया कि अभिनय में आने का सपना उन्होंने कभी पीछे नहीं छोड़ा, क्योंकि ऐसा कोई अवसर ही नहीं आया और 1994 से राजनीति में सक्रिय रहने के कारण इस दिशा में सोचने का मौका भी नहीं मिला। उनका मानना ​​है कि जीवन

भी एक रंगमंच है, जहां हर व्यक्ति को अलग-अलग किरदार निभाने होते हैं और अब अभिनय का यह अवसर भी वह उसी जीवन के एक नए किरदार की तरह निभा रही हैं। 'सांगी' के बाद अपनी पसंद की भूमिका के सवाल पर आशा हड्डा कहती हैं कि उस के लिहाज से उन्हें स्वभाविक रूप से मां या दादी के किरदार ही मिलेंगे। हालांकि, किसी बड़ी उम्र के पुरुष के साथ उनकी उम्र के अनुरूप बहन का किरदार मिले, तो वह उसे भी निभाना पसंद करेंगी। यह उनके लिए बेहद खुशी का क्षण है कि अब उन्हें रणदीप हड्डा की मां के साथ-साथ एक अभिनेत्री के रूप में भी पहचान मिल रही है। रणदीप ने सिनेमा में अपना रास्ता बनाया और अब आपने भी उसी दुनिया में अपना पहला कदम रखा है, तब यह मां-बेटे की साझी सिनेमाई यात्रा की शुरुआत है- के प्रश्न पर आशा हड्डा कहती हैं कि अब यदि कोई अच्छा किरदार मिलता है, जिससे सकारात्मक संदेश जाए, तो वह उसे जरूर निभाना चाहेंगी और कोशिश करेंगी कि रणदीप के साथ भी कोई छोट-मोटा रोल करने का अवसर मिले। मां-बेटे की इस नई साझा सिनेमाई यात्रा को लेकर वह उत्साहित हैं और बताती हैं कि अभिनय के दौरान संवादों की समझदारी याद करना उनकी सहज आदत है- 'सांगी' में भी उन्होंने बिना किसी कामज के पहली ही रात अपने संवाद तैयार कर लिए थे। कहा जा सकता है 'सांगी' से शुरू हुआ आशा हड्डा का यह सफर शायद अभी पहली सीढ़ी है, लेकिन उनके भीतर का अभिनय अब नए किरदारों और नई मंजिलों की ओर बढ़ने को तैयार है।

खबर संक्षेप

निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा में 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस पर एक निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण व पशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक डॉ. योगेंद्र सिंह यादव ने बताया कि यह शिविर सुबह 10 बजे से हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा परिसर में होगा।

शिव कॉलोनी में किया जागरण

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात को शिव मंदिर नहर कॉलोनी में जागरण किया गया। इस अवसर पर बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान दैलतराम गंग ने की। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया। म्यूजिक मास्टर मोहन सागर ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। इस मौके पर मयंक मित्तल, नितिन, विजय रईस आदि मौजूद थे।

श्री राधे-राधे मित्र मंडल ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। श्री राधे-राधे मित्र मंडल के तत्वावधान में रविवार को प्रभात फेरी निकाली गई। भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। वहीं पूरा क्षेत्र राधे-राधे के जयघोष से गुंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान डॉ. रतनलाल सैनी ने पावन ज्योति प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया गया। इसके बाद प्रभात फेरी मोहल्ला नलापुर से विभिन्न मार्गों से होती हुई मुख्य यजमान डॉ. रतनलाल सैनी निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई।

चांदुवाड़ा में मनाया पोषण माह

नारनौल। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आंगनबाड़ी केंद्र मोहल्ला चांदुवाड़ा में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुनेष यादव व हेल्पर शर्मिला सैनी ने महिलाओं को संतुलित आहार व बच्चों के पोषण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आशा बलिया व प्रेम मौजूद रही। मुख्य अतिथि आशा बालिया ने कहा कि बच्चों और महिलाओं का सही पोषण ही स्वस्थ परिवार की नींव है। इस मौके पर ज्योति, बबीता, यशु, सविता, उषा, सचिन आदि उपस्थित रहे।

नारनौल से गुरुग्राम के लिए डेमो और कटरा हरिद्वार के लिए सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच और प्रगतिशील शिक्षण ट्रस्ट की ओर से क्षेत्र की रेल सुविधाओं में विस्तार एवं दैनिक यात्रियों की समस्याओं के समाधान को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम मांग पत्र स्टेशन अधीक्षक महावीर प्रसाद को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि नारनौल से गुरुग्राम के लिए दैनिक यात्रियों के लिए सुबह-शाम अप-डाउन डेमो ट्रेन चलाई जाए। इसके साथ ही माता वैष्णो देवी कटरा एवं हरिद्वार के लिए जयपुर से सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग भी रखी गई।

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच के उपाध्यक्ष महेश



प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखते रचनात्मक रंग

कनीना। राजकीय महाविद्यालय में आयोजित टैलेंट सर्व प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने छिपी हुई रचनात्मक प्रतिभा को रचनात्मक रंग दिया। सुरेश यादव ने बताया कि इस समारोह में विद्यार्थियों ने तले मॉडलिंग, रंगोली, मेहेंदी, स्केचिंग तथा पोस्टर मेकिंग जैसी विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी अद्वितीय कलात्मक सोच, कल्पनाशीलता तथा हुनर का शानदार प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं। समारोह के समापन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संकर होता है। इस मौके पर प्रोफेसर कांता देवी, डॉ. भारती, महेश कुमार, मनीषा, अंकुश उपस्थित थे।

10 किलोमीट दौड़ में मोहित यादव और सविता ने मारी बाजी शहीदों के सम्मान में दौड़े हजारों युवा अटेली हॉफ मैराथन में दिखा उत्साह



मंडी अटेली। मैराथन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व मैराथन के विजेताओं को चेक देकर सम्मानित करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डीएमएस ग्रुप से अजय यादव, सतीश डीएसपी, सतबीर सरपंच सुजापुर, बीवेंस कमेटी सदस्य एडवोकेट बबली यादव, इंद्रजीत यादव, कनीना मॉकेंट कमेटी चेयरमैन जेपी कोटिया, सिंहमा पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार, प्रदीप सराय, सलीमपुर सरपंच आरती यादव, अशोक नावदी, सरपंच प्रतिनिधि मूल सिंह, डॉ. विनय, सुबेसिंह सरपंच, तेज प्रकाश चंदपुरा और ललित डाबड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

में हेमंत प्रथम, बादल द्वितीय और रमीकस तृतीय रहे। पांच किलोमीटर महिला वर्ग में स्नेहा प्रथम, कोमल द्वितीय और आरती तृतीय स्थान पर रहीं। 10 किलोमीटर महिला और पुरुष वर्ग

यह बोले वक्ता

इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि राव तुलाराम के शहीदी दिवस के बाद पहला रविवार होने के कारण मैराथन के लिए यह दिन चुना गया, ताकि छुट्टी के दिन अधिक से अधिक बच्चे और युवा इसमें भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि हाफ मैराथन का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों, विशेषकर नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता का संदेश देना और युवा पीढ़ी को देशभक्ति के लिए प्रेरित करना है। वहीं अति विशिष्ट अतिथि सरपंच नीरू यादव ने कहा कि अटेली जैसे छोटे कस्बे में इस तरह का आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने शहीदों को दौड़ के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि जिन शहीदों के बलिदान से देशवासी सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं, उनके परिवारों को भी नमन किया जाना चाहिए। युवाओं को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश और समाज के लिए सकारात्मक दिशा में कार्य करना चाहिए। मैराथन के दौरान शहीद परिवारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 21 हजार रुपये, द्वितीय को 11 हजार और तृतीय को 7100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

वहीं पांच किलोमीटर महिला और पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय 7100 और तृतीय पुरस्कार 5100 रुपये रखा गया।



फोटो : हरिभूमि

यह बोले वक्ता

इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि राव तुलाराम के शहीदी दिवस के बाद पहला रविवार होने के कारण मैराथन के लिए यह दिन चुना गया, ताकि छुट्टी के दिन अधिक से अधिक बच्चे और युवा इसमें भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि हाफ मैराथन का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों, विशेषकर नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता का संदेश देना और युवा पीढ़ी को देशभक्ति के लिए प्रेरित करना है। वहीं अति विशिष्ट अतिथि सरपंच नीरू यादव ने कहा कि अटेली जैसे छोटे कस्बे में इस तरह का आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने शहीदों को दौड़ के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि जिन शहीदों के बलिदान से देशवासी सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं, उनके परिवारों को भी नमन किया जाना चाहिए। युवाओं को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश और समाज के लिए सकारात्मक दिशा में कार्य करना चाहिए। मैराथन के दौरान शहीद परिवारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

दौड़ पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। मैराथन में हरियाणा के अलावा उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश, राजस्थान से भी धावक पहुंचे। सेना में सेवारत जवानों ने भी मैराथन में दौड़ लगाकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। बच्चों और युवाओं में भी

यह बोले वक्ता

इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि राव तुलाराम के शहीदी दिवस के बाद पहला रविवार होने के कारण मैराथन के लिए यह दिन चुना गया, ताकि छुट्टी के दिन अधिक से अधिक बच्चे और युवा इसमें भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि हाफ मैराथन का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों, विशेषकर नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता का संदेश देना और युवा पीढ़ी को देशभक्ति के लिए प्रेरित करना है। वहीं अति विशिष्ट अतिथि सरपंच नीरू यादव ने कहा कि अटेली जैसे छोटे कस्बे में इस तरह का आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने शहीदों को दौड़ के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि जिन शहीदों के बलिदान से देशवासी सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं, उनके परिवारों को भी नमन किया जाना चाहिए। युवाओं को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश और समाज के लिए सकारात्मक दिशा में कार्य करना चाहिए। मैराथन के दौरान शहीद परिवारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

दौड़ को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। मैराथन का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और शहीदों के बलिदान को याद करना रहा। मैराथन के दौरान निजी अस्पताल अटेली की मेडिकल टीम एंबुलेंस के साथ मौजूद रही।



मंडी अटेली। गोकलपुर रेस्ट एरिया के समीप ऊंट पर सवारी करती भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

सेवा संकल्प बाइक यात्रा का अटेली में स्वागत

कुलदीप यादव ने प्रदेश अध्यक्ष को कराई ऊंट की सवारी

हरिभूमि न्यूज ►► मंडी अटेली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने और जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वागणसी तक निकाली जा रही जन सेवा संकल्प बाइक यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया जा रहा है। यात्रा अटेली क्षेत्र में गोकलपुर रेस्ट एरिया के समीप पहुंची तो भाजपा नेता कुलदीप यादव के नेतृत्व में सायं के समय आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बाइक यात्रा में शामिल सेवा यात्रियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। यात्रा वडनगर और वागणसी के बीच विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजर रही है और इसके दौरान अलग-अलग स्थानों पर सेवा गतिविधियां एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व सरपंच एडवोकेट सुरेश, सविता राज, शेरसिंह सरपंच बौचड़िया, जगदेव बोहरा, वीरसिंह प्रोफेसर, दीपक पूनिया, शिव पहलवान, जीतू रईस आदि मौजूद थे।

पर भाजपा नेता कुलदीप यादव ने कहा कि यह बाइक यात्रा प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के संदेश को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। यात्रा के जरिए युवाओं को सेवा, संकल्प और राष्ट्रहित की भावना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। भाजपा नेता कुलदीप यादव के नेतृत्व में सायं के समय आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बाइक यात्रा में शामिल सेवा यात्रियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। यात्रा वडनगर और वागणसी के बीच विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजर रही है और इसके दौरान अलग-अलग स्थानों पर सेवा गतिविधियां एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व सरपंच एडवोकेट सुरेश, सविता राज, शेरसिंह सरपंच बौचड़िया, जगदेव बोहरा, वीरसिंह प्रोफेसर, दीपक पूनिया, शिव पहलवान, जीतू रईस आदि मौजूद थे।

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

प्रतिभा विकास एवं जन कल्याण मंच के तत्वावधान में प्रसिद्ध तपोभूमि बाबा खेतानाथ आश्रम पुरानी मंडी में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सेवा भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत आश्रम परिसर में संत-महात्माओं और गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। अभियान के दौरान मंच के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने श्रमदान करते हुए आश्रम के मुख्य परिसर, मंदिर प्रांगण, बागीचे तथा आसपास के मार्गों की साफ-सफाई की। कचरा संग्रहण के साथ-साथ सूखे व गीले कचरे के उचित निस्तारण की व्यवस्था की



नारनौल। सफाई अभियान में भाग लेने वाले मंच के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रामनाथ महाराज, बिशंबर दयाल, मूलचंद यादव, योगेश वर्मा, राजेंद्र यादव, प्रमोद शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, विकास चौधरी, धीरज जिंदल, डॉ. विकास निर्मल, मूलचंद सेनी, सुरेश, विपिन वर्मा, अशोक यादव, नीरज यादव, विक्रम यादव, सुनील गर्ग, विश्वपाल आर्य, सज्जन यादव, राजेश रामधन, राजू यादव, कर्मवीर यादव, डॉ. प्रवीण अंगवाल, अभिषेक गर्ग, मनीष आहूजा, महेश अरोड़ा आदि मौजूद थे।

गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को स्वच्छता को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सिंहना में कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक

मंडी अटेली। असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक खंड सिंहना में जिला अध्यक्ष राजन यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में केसीसी के प्रदेश महासचिव एवं जिला प्रमारी राजेश पुनिया, प्रदेश मीडिया प्रमारी महेंद्र सिंह श्योरान तथा खंड सिंहना के अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन दिलीप सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदेश महासचिव राजेश पुनिया ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और बूथ स्तर तक लोगों से संपर्क बढ़ाकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर पूर्व केसीसी के जिला प्रधान राजेंद्र, गोविल्या प्रधान, अजीत, नरेंद्र अट्टाली, डा. दुलीचंद, प्रोफेसर राजवीर, राजेश, राकेश ठेकेदार, अनिल खासपुर, भूपेंद्र नंबरदार रामपुर, रामोतार बड़कोड़ा, राजेंद्र नंबरदार, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।



मंडी अटेली। खंड के कांग्रेस अध्यक्ष का पगड़ी पहनाकर स्वागत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

अनहद शक्ति फाउंडेशन की ओर से शहर को हराभरा एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत मिनी सचिवालय से राव तुलाराम चौक तक लगाए गए पौधों की फिनिशिंग का कार्य रविवार को संपन्न हुआ। इस दौरान विधायक कंवर सिंह यादव ने कार्यक्रम में पहुंचकर संस्था के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया और उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि अनहद शक्ति फाउंडेशन पिछले सात वर्षों से पौधरोपण एवं पौधों के संरक्षण के साथ-साथ 16 संस्कार, कचरा मुक्त महेंद्रगढ़, स्वच्छता अभियान, दहेज प्रथा तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध लगातार जागरूकता



महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक व संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अभियान चला रही है। संस्था का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ शहर को स्वच्छ, सुंदर और हराभरा बनाना है। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि संस्था द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने संस्था के सदस्यों का आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहने चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्था के जनहित के कार्यों में वे हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। संस्था की अध्यक्ष शैलजा यादव ने विधायक के कार्यक्रम में पहुंचने पर उनका आभार व्यक्त किया तथा

पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी

संस्था प्रेस सचिव यशपाल शर्मा ने बताया कि पौधों की फिनिशिंग एवं संरक्षण के कार्य में संस्था के सभी सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग किया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी है।

संस्था की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष अरविंद गुनवाल, रणवीर सिंह, अनिल, जय सिंह, मुकेश कुमार, संजय, राहुल, अनोता, कविता सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं उपस्थित रहे।

बिहाली गोशाला में सुरेश कुमार को मिली प्रधान की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ►► मंडी अटेली

श्रीकृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली में रविवार को आमसभा आयोजित की गई। बैठक में गोशाला की व्यवस्थाओं और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रधान महीपाल चौधरी ने स्वास्थ्य खराब होने के कारण अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। सभा में सर्वसम्मति से गांव बिहाली निवासी सुरेश कुमार को गोशाला का नया प्रधान नियुक्त किया गया। नवनियुक्त प्रधान सुरेश कुमार वर्ष 2002 से गोशाला निर्माण के समय से ही गोसेवा से जुड़े हुए हैं। वहीं बैठक में गोशाला को लेकर प्रसारित



मंडी अटेली। बिहाली गोशाला में बैठक करते गणमान्य गोसेवक। फोटो : हरिभूमि

हो रही खबरों का मुद्दा भी उठाया गया तथा उन्हें गलत और भ्रामक बताया। प्रबंधन की ओर से कहा गया कि ऐसी बातों पर ध्यान न देकर गोभक्तों को गोशाला की व्यवस्थाओं में सहयोग करना चाहिए। प्रबंधन ने दावा किया कि गोशाला वर्तमान में सुचारू रूप से

संचालित हो रही है। इस मौके पर नवनियुक्त प्रधान सुरेश कुमार, आनंद सिंह लंबरदार, सचिव ओमप्रकाश, पूर्व प्रधान महावीर सिंह, पूर्व प्रधान सुबेसिंह, प्रकाश चंद नंबरदार, कोषाध्यक्ष सत्यानंद मास्टर, रामपुरा के सरपंच सहित करीब 30 गांवों के लोग मौजूद रहे।

किताबों से आगे सीखने की उड़ान: स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने जयपुर में जाना विज्ञान, इतिहास व अंतरिक्ष का संसार अमेरिका से विशेष रूप से चलकर नारनौल पहुंचे भारत सोलंकी

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

स्लम एरिया टैलेंट संस्था के बच्चों के लिए जयपुर में एक विशेष शैक्षणिक एवं एन्थ्यूकेशनल टूर आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। यात्रा का उद्देश्य बच्चों को किताबों में पढ़ी जाने वाली जानकारी से आगे ले जाकर उन्हें वास्तविक स्थानों और अनुभवों से जोड़ना रहा। इस यात्रा को विशेष बनाने वाली बात यह रही कि भारत सोलंकी अमेरिका से विशेष रूप से स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों से मिलने



नारनौल। तारामंडल का दृश्य देखने जयपुर पहुंचे बच्चे। फोटो : हरिभूमि

भारत आए और बच्चों के साथ जयपुर की इस शैक्षणिक यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों से बातचीत की, उनकी पढ़ाई और भविष्य को लेकर चर्चा की तथा उन्हें

आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। स्लम एरिया टैलेंट परिवार के साथ उनका यह जुड़ाव बच्चों के लिए भी बेहद खास और प्रेरणादायक रहा। एक दिन में कई महत्वपूर्ण स्थलों का

भ्रमण जयपुर पहुंचने के बाद बच्चों ने सबसे पहले जंतर-मंतर का भ्रमण किया। यहां बच्चों ने प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान और ऐतिहासिक वैज्ञानिक यंत्रों को करीब से देखा। इसके बाद बच्चों ने अल्वर्ट हॉल म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्हें इतिहास, कला, संस्कृति और विरासत से जुड़ी विभिन्न जानकारी का भंडार मिली। शैक्षणिक यात्रा के अगले पड़ाव में बच्चों ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का भ्रमण किया। विज्ञान केंद्र में बच्चों ने विभिन्न मॉडल एवं प्रदर्शन देखे और कई वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने का अवसर प्राप्त किया।

तारामंडल व कैसिनी हिंदी शो भी देखा

यात्रा के दौरान बच्चों को बीएस किरला तारामंडल ले जाया गया, जहां उन्होंने 'कैसिनी हिंदी शो देखा। तारामंडल में बच्चों ने शनि ग्रह, उसके छल्लों, चंद्रमाओं और अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी जानकारी को एक अलग और रोचक तरीके से अनुभव किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में बच्चों के साथ डॉ. अनूप यादव, अमर सिंह सर और दीपेश शिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। शिक्षकों ने पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों के मार्गदर्शन, अनुशासन और व्यवस्थाओं को संभाला। बच्चों ने जयपुर की इस यात्रा के दौरान इतिहास, विज्ञान, संस्कृति और अंतरिक्ष से जुड़े विभिन्न विषयों को करीब से देखा। स्लम एरिया टैलेंट के संस्थापक हनी गुप्ता ने कहा कि बच्चों को केवल किताबों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें देश की ऐतिहासिक विरासत, विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष की दुनिया को करीब से देखने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों की सोच को व्यापक बनाते हैं और उनमें नए सपने देखने का आत्मविश्वास पैदा करते हैं। संस्था का प्रयास है कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी प्रतिभाशाली बच्चा सीखने और आगे बढ़ने के अवसर से वंचित न हो। भारत सोलंकी की विशेष उपस्थिति और सहयोग ने इस यात्रा को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर स्लम एरिया टैलेंट परिवार ने भारत सोलंकी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों के साथ उनका जुड़ाव और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना संस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हरियाणा बॉर्डर पर सेवा यात्रा का स्वागत, सीएम ने की कई अहम घोषणाएं

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा रविवार को राजस्थान से हरियाणा में एंट्री कर गई। इस दौरान राजस्थान व हरियाणा बॉर्डर पर प्रदेश के गांव गोद बलाहा में इस यात्रा के स्वागत के लिए भव्य समारोह आयोजित किया गया। यहां मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता विशेष रूप से पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कई अहम घोषणाएं भी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के मामले में इस क्षेत्र में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डॉ अभय सिंह यादव की मांग पर बलाह कलां गांव

में जल घर को नहर से पाइपलाइन के माध्यम से जोड़ने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने गोद गांव में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने, बलाह खुर्द में हनुमान सिंह के खेत से राजस्थान सीमा तक रास्ता पक्का करने और गांव बलाह खुर्द में बालाजी मंदिर के सामने खाली जमीन पर व्यायाम शाला बनाने की भी घोषणा की।

यात्रा में शामिल युवाओं के साथ मुख्यमंत्री ने किया संवाद

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा में शामिल युवाओं के साथ संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से यात्रा के राजस्थान से गुजरते वक्त के अनुभव भी सांझा



नारनौल। समारोह को संबोधित करते सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

किए। उन्होंने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर जिले के गांव नाचना में जब उनकी यात्रा पहुंची तो एक 90 वर्षीय वृद्ध ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुधान भारत योजना के माध्यम से उनका मुफ्त इलाज हो पाया है। इसी

प्रकार जब वे बीकानेर जिले से गुजरे तो एक महिला ने उन्हें बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में उन्हें घर में मुफ्त गैस उपलब्ध होने के साथ साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से रहने के लिए मुफ्त घर मिला है।

मोदी के नेतृत्व में देश की तस्वीर बदली कनेक्टिविटी व विकास को मिली नई गति

सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि 17 सितंबर से पूरे देश में खुशी का माहौल है और वडनगर से शुरू हुई संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की यात्रा को याद करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद, नक्सलवाद और कश्मीर तथा नॉर्थ ईस्ट से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ है। बदलते मौसम और बारिश की कमी के बीच नदियों को जोड़ने, वाटर बॉडी बनाने और भूजल स्तर को ऊपर लाने की दिशा में भी व्यवस्थाएं की गई हैं।

प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाभाव को जन-जन तक पहुंचा रही संकल्प यात्रा : डॉ. अर्चना गुप्ता

अपने संबोधन में बीजेपी की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि वडनगर से वाराणसी तक की संकल्प यात्रा सेवा मित्रों के साथ राजस्थान की धरती से हरियाणा में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि युवा साथी इस यात्रा में इसलिए शामिल हुए हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा, सुशासन, त्याग और बलिदान के भाव को जीकर दिखाया है।

दक्षिण हरियाणा में सरकार के प्रयास से मिला पानी : डॉ. अभय सिंह यादव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ अभय सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने दक्षिण हरियाणा के इस क्षेत्र को नया जीवन देने का काम किया है। वर्ष 2014 में जब सरकार आई थी, तब यहां पीने के पानी की कमी थी और खेती लगभग समाप्त हो गई थी। लोगों को अपनी फसल के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पानी की व्यवस्था किए जाने का परिणाम आज किसानों की खुशहाली के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने जिले को मेडिकल कॉलेज, लॉजिस्टिक हब और 152-डी सहित नेशनल हाईवे जैसी महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में सुविधाओं और कनेक्टिविटी को मजबूती मिली है।

ये रहे मौजूद

राष्ट्रीय मंत्री जय प्रकाश, विधायक ओमप्रकाश यादव नारनौल, विधायक कंवर सिंह यादव महेंद्रगढ़, जिला अध्यक्ष यशदेव राव, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव अटेली, वरिष्ठ नेता गोविंद भारद्वाज, गुजरात से सांसद चंद्र भाई सिरोहा, बीजेपी महामंत्री वेद फूलां, गोपाल शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अक्षय बहिया, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव भी मौजूद थे।

न्यूज़ डायरी



यात्रा का फूलों की बरसात से स्वागत

नारनौल। प्रधानमंत्री की सेवा संकल्प यात्रा का नारनौल के बस स्टैंड पहुंचने पर भाजपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने फूलों की बरसात कर स्वागत किया। इस दौरान सुरेंद्र नारनौलिया सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र नारनौलिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास और जनकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उनके सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प से देशवासियों को नई दिशा मिल रही है।



ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध तेज

महेंद्रगढ़। अंटो मार्केट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर यादव, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ राजवती यादव, प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष तोताराम कोहली, राजनी गंधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र पारखर और प्रदीप यादव सहित कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार चुनाव आयुक्त के रूप में निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रहे हैं, बल्कि भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।



नवरात्रि उत्सव को लेकर मंदिर कमेटी की हुई बैठक

महेंद्रगढ़। गांव रिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में आगामी नवरात्रि उत्सव को लेकर रविवार को मंदिर कमेटी की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंदिर कमेटी के प्रधान संदीप यादव ने की, जबकि स्वागतान सचिव मास्टर अमिल रिसोठिया ने किया। ध्यान संदीप यादव व प्रेस सचिव मुकेश चौहान ने बताया कि 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्रि उत्सव के तहत प्रथम नवरात्र 11 अक्टूबर को ध्वजायात्रा निकाली जाएगी, 17 अक्टूबर को विशाल जागरण, 18 अक्टूबर को डांडिया उत्सव और 19 अक्टूबर को विशाल मेला एवं मंडारे का आयोजन किया जाएगा।



भूषण में विकास कार्यों की सौगात

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव भूषण कलां, शोभापुर व भूषण खुर्द में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का फूल-मालाओं व पगड़ी पहनाकर से स्वागत किया। विधायक ने बताया कि भूषण कलां में कुल सात करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य किए गए हैं। इनमें पंचायत विभाग के दो करोड़ 60 लाख रुपये तथा एमआईसीएडीए के तहत पांच करोड़ रुपये की लागत से माइक्रो इरिगेशन सिस्टम के कार्य शामिल हैं। इसके अलावा शोभापुर में एक करोड़ 91 लाख रुपये तथा भूषण खुर्द में एक करोड़ तीन लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया।

रेशनलाइजेशन को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों में रोष

महेंद्रगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी (एमओटीपी) के साथ रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों की ओर से चिंता जताई गई है। 24 सितंबर को जारी नतीजा पदों की सूची के बाद एमपीएसडब्ल्यू एसोसिएशन हरियाणा ने सरकार से स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। एसोसिएशन ने इस मुद्दे को लेकर 29 सितंबर को स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय पर सांकेतिक रोष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य व वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों की आवश्यकता केवल स्वीकृत पदों और उनकी वर्तमान स्थिति के आधार पर तय नहीं की जानी चाहिए। अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सब-सेंटर में स्टॉफ की जबरन मरजी की संख्या, आबादी, भौगोलिक क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता और कार्याभार को ध्यान में रखकर तय की जानी चाहिए।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295738500, 9253681005

सफाई व्यवस्था बदहाल



नारनौल। सीआईए रोड पर अंडरपास के नजदीक पड़ी गंदगी, पुरानी मंडी में पड़े डेर में मुंह मारता कुत्ता तथा मोहल्ला कोलियान में पड़ा कूड़ा।

हवा में उड़ती पत्नियां लोगों के चेहरे तक पहुंच रहीं, बीमारी फैलने की आशंका

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर परिषद के दावों और जमीनी हालात के बीच अंतर नजर आ रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों पर भले ही सफाई दिखाई दे रही हो, लेकिन कई गली-मोहल्लों और अंदरूनी इलाकों में कूड़े के ढेर अब भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। कई स्थानों पर निर्मित कूड़ा उठान और उसे निस्तारित करने की जिम्मेदारी संबंधित कंपनी को दी गई है। इसके बावजूद अनेक स्थानों पर कूड़ा समय पर नहीं उठाने से लोग परेशान हैं।

स्थिति यह है कि कूड़े के ढेरों के आसपास गाय, कुत्ते, सुअर और अन्य जानवर मंडराते रहते हैं। जानवरों के कूड़ा बिखरने से गंदगी आसपास के क्षेत्र में फैल जाती है और राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थिति यह है कि कूड़े के ढेरों के आसपास गाय, कुत्ते, सुअर और अन्य जानवर मंडराते रहते हैं। जानवरों के कूड़ा बिखरने से गंदगी आसपास के क्षेत्र में फैल जाती है और राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।



धनौदा की बेटी बनी सेना में लेफ्टिनेंट

नारनौल। खेल, शिक्षा, सेना व अर्थसैनिक बलों में गौरवशाली सेवाएं देने के लिए प्रसिद्ध गांव धनौदा के नाम एक और शानदार उपलब्धि जुड़ गई है। गांव की होनहार बेटी सोनली पुत्री भूपेन्द्र सिंह तंवर ने भारतीय सेना में सौध लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होकर गांव का नाम रोशन किया है। रविवार को ग्रामवासी व आसपास के मौजुमान ने सम्मान समारोह आयोजित कर सोनली का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरताल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सोनली को साफ पहनाकर प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कृत मेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सोनली की दादी अनुप देवी, माता रंजना देवी को शॉल ओढ़कर तथा पिता भूपेन्द्र सिंह तंवर को साफा पहनाकर सम्मानित किया। अनेक ग्रामीणों ने सोनली को उपहार तथा नगद ईनाम देकर भी सम्मानित किया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता सुबेदार मेजर मदन सिंह साहब ने की। अतरताल में कहा कि गांव की बेटी सोनली ने सौध लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी उच्च मुकाम हासिल कर सकती हैं। नमस्वरदार राजेन्द्र सिंह, डॉ. मुकेश पंज, पित्तम्बर प्रधान, देवक पंज, रामबीर पंज, कप्तान ओमपाल सिंह, थानेदार महेश स्वामी, सुबेदार मेजर मदन सिंह, हैडमास्टर सूरत सिंह, इंस्पेक्टर पूर्णसिंह, मास्टर प्रहलाद सिंह, प्रोफेसर श्यामलाल, सुभाष, किशनपाल तंवर, मीरसिंह वैद्य, मेघसिंह, कृष्ण सिंह, कृष्ण सिंह, बिशन सिंह, नरेश सिंह, दानसिंह प्रजापत, सुनिलकांत शारंगी, दुध्यांत, ओमवती, सोमवती, सरला, कांता, सविता, रेणु परमार, सुमित्रा, बिमलेश, कमला, देवकी, अनूप देवी, कमलेश, रंजना, संतोष आदि ने सोनली के उच्चतम भविष्य की कामना की।

हड़ताल पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह समेत विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों का आंदोलन

आज से 3 दिन तक बैंक कर्मियों की रहेगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल

■ शाखाओं में कामकाज रहेगा प्रभावित

■ मांगों को लेकर बैंक यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल सोमवार से शुरू हो गई है। पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह समेत विभिन्न मांगों को लेकर बैंक

यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल का आह्वान किया है। हड़ताल से पहले ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर देने के लिए रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक खुले रहे। रविवार को बैंक खुले रहने के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने शाखाओं में पहुंचकर नकद जमा-निकासी, चेक, खाता संबंधी और अन्य जरूरी काम निपटाए।

अब सोमवार से बुधवार तक बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में जिन ग्राहकों के जरूरी शाखा संबंधी काम

सरकार व बैंक प्रबंधन ने की थी हड़ताल टालने की अपील

हड़ताल से पहले वित्तीय सेवा विभाग, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंक प्रबंधन की ओर से यूनियनों से आंदोलन वापस लेने की अपील की गई थी। हालांकि वार्ता के बावजूद यूनियनों ने हड़ताल का निर्णय वापस नहीं लिया। इसके चलते सोमवार से बुधवार तक बैंक शाखाओं में ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

अभी लिंबित हैं, उन्हें हड़ताल समाप्त होने तक इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि एटीएम, यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रहने की संभावना है। बैंक यूनियनों की

डिजिटल बैंकिंग से मिलती रहेगी राहत

हड़ताल के दौरान एटीएम और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से बाहक सामान्य लेन-देन कर सकेंगे। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि शाखा में जाकर किए जाने वाले कार्यों के लिए ग्राहकों को हड़ताल समाप्त होने तक इंतजार करना पड़ सकता है।

प्रमुख मांग सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। वर्तमान में दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं, जबकि अन्य शनिवार कार्यदिवस होते हैं। यूनियनों का

10 साल बाद रविवार को खुले बैंक

रविवार को बैंक खुले रहने का मौका लंबे अंतराल के बाद आया। इससे पहले नोटबंदी के दौरान नवंबर 2016 में भी रविवार को बैंक शाखाएं खोली गई थीं। उस समय पुराने 500 और 1000 रुपये के नोट जमा करने, बदलने और नकदी निकालने के लिए बैंकों में भारी भीड़ उमड़ी थी। इस बार रविवार को बैंक खोलने का उद्देश्य हड़ताल से पहले ग्राहकों को अतिरिक्त कायदिवस उपलब्ध कराना रहा।

हड़ताल के आह्वान में बैंकिंग क्षेत्र की प्रमुख यूनियन शामिल हैं। यूनियनों का कहना है कि जब तक पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह को लागू करने की स्पष्ट समयसीमा नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।



खेड़ी मेले में एक लाख की कुश्ती छूटी बराबरी पर, 25—25 हजार दिए

मंडी अटेली। गांव खेड़ी में श्री श्री 1008 बाबा शिवनाथ का मेला हर्षोल्लास से लगा। मेले में बाबा का देशी घी का मंडारा, सत्संग के अलावा कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। मेले में एक लाख कामड़ा कुश्ती मोहित फोगाट व आशोध के बीच बराबरी पर रही। वॉलीबाल में प्रथम सीआईएसएफ, द्वितीय बहादुरगढ़ व कबड्डी में प्रथम दादरी, द्वितीय राणोली रही। दोनों टीमों को क्रमशः 61, 31 हजार रुपये का इनाम दिया गया। जिला प्रमुख डा राकेश कुमार, सरपंच सत्यनारायण, मास्टर अरुण, मेला कमेटी प्रधान रामनाराय यादव व सदस्यों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। मेले में कुश्ती दंगल में पहलवानों ने अपना जोर आजमाइश दिखाया। बाबा शिवनाथ के स्थान पर दूर-दराज के श्रद्धालुओं ने मिक्मले चढ़ाई। मेले में सुरेश गोला, मन्नू तंवर, सरिता कश्यप, डॉसर भारती चौधरी आदि कलाकार बाबा की महिमा का गुणगान किया। इस मौके पर सरपंच सत्यनारायण, प्रधान राम अवतार यादव, युवा समाजसेवी सुनील, पूर्व उप सरपंच हेमराज सिंह आदि ने विशेष सहयोग दिया। मेला कमेटी सदस्यों ने एक लाख कामड़ा कुश्ती बराबरी पर रहने वाले 25-25 हजार प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया। गांव के सरपंच सत्यनारायण ने कहा कि उनके गांव में हर साल यह मेला भरता है, जिसमें गांव के लोगों के साथ-साथ आसपास गांवों के लोगों हिस्सा लेते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए लंबे समय कुश्ती दंगल करवा रहा है। खेलों से युवाओं को शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास होता है।